वाच्य

वाच्य के द्वारा क्रिया के रूप परिवर्तन से वाक्य के अंतर्गत कर्ता, कर्म, क्रिया तथा क्रिया के लिंग, वचन एवं पुरुष में रूपांतर की प्रवृत्ति सामने आती है। 'वाच्य' से वाक्य में कर्ता, कर्म अथवा क्रिया में से किसी एक की प्रधानता का पता भी चलता है। वाच्य के द्वारा कर्ता, कर्म व भाव की अवधारणा स्पष्ट होती है।

वाच्य की परिभाषा

वाच्य का शाब्दिक अर्थ है—'बोलने का विषय'। अत: क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता है, कर्म है अथवा भाव है, उसे वाच्य कहते हैं; जैसे—

- **नेताजी** सुंदर लग रहे थे।
  (इस वाक्य में नेताजी कर्ता को दर्शाते हैं।)
- बालगोबिन भगत **खेतीबाड़ी** कर रहे हैं।
  (इस वाक्य में खेतीबाड़ी कर्म को दर्शाती है।)

वाच्य के भेद

वाच्य के मुख्यतया दो भेद होते हैं—कर्तृवाच्य और अकर्तृवाच्य। अकर्तृवाच्य के भी दो भेद होते हैं, जिन्हें कर्मवाच्य और भाववाच्य के नाम से जाना जाता है।

1. कर्तृवाच्य

क्रिया के रूपांतर से जब वाक्य में **कर्ता की प्रधानता** का बोध होता है अर्थात् जब क्रिया का संबंध कर्ता से हो, तो वह वाच्य कर्तृवाच्य कहलाता है। कर्तृवाच्य में कर्म की प्रधानता न होकर कर्ता की प्रधानता होती है। क्रिया के लिंग, वचन तथा पुरुष भी कर्ता के अनुसार ही लगाए जाते हैं; जैसे—

- बालक सोता है।
- बच्चे खेलते हैं।
- गीता खाती है।
- राजीव पुस्तक पढ़ता है।
- हालदार साहब ने पान खाया।

पहले वाक्य में 'बालक' एकवचन है, इस वाक्य में क्रिया का रूप भी एकवचन में है।

दूसरे वाक्य में 'बच्चे' बहुवचन है, इस वाक्य में क्रिया का रूप भी बहुवचन में है।

तीसरे वाक्य में 'गीता' स्त्रीलिंग है और क्रिया भी स्त्रीलिंग है।

चौथे वाक्य में 'राजीव' पुल्लिग है और क्रिया भी पुल्लिग है।

पाँचवें वाक्य में 'हालदार साहब' पुल्लिग है और क्रिया भी पुल्लिग है।

अत: स्पष्ट है कि जिन वाक्यों में क्रिया कर्ता के अनुसार होती है, वहाँ कर्तृवाच्य होता है।

2. अकर्तृवाच्य

क्रिया के रूपांतर से जब वाक्य में कर्ता की प्रधानता नहीं होती, तो इस प्रकार के वाच्य को अकर्तृवाच्य कहते हैं। अकर्तृवाच्य के दो भेद होते हैं

(i) कर्मवाच्य

क्रिया के जिस रूपांतर से वाक्य में **कर्म की प्रधानता** का बोध हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं। कर्मवाच्य के अंतर्गत कर्ता की प्रमुखता न होकर कर्म की प्रमुखता होती है। वाक्य में कर्म की प्रधानता होने पर क्रिया के लिंग, वचन एवं पुरुष कर्म के अनुसार ही होते हैं अर्थात् जब क्रिया का संबंध कर्म से हो, तो वह वाक्य कर्मवाच्य होता है; जैसे—

- रीना द्वारा गीत गाया गया।
- पतंग उड़ रही है।
- रोगी को दवाई दे दी गई है।
- छात्र द्वारा पुस्तक पढ़ी जा रही है।
- ड्राइवर द्वारा ज़ोर से ब्रेक मारा गया।

इन वाक्यों में कर्म की प्रधानता है और क्रिया का रूप कर्म के आधार पर ही है। *पहले* वाक्य में 'गीत' पुल्लिग के साथ 'गाया गया' क्रिया पुल्लिग है।

दूसरे वाक्य में 'पतंग' स्त्रीलिंग के साथ क्रिया स्त्रीलिंग है। *तीसरे* वाक्य में 'दवाई' स्त्रीलिंग व *चौथे* वाक्य में 'पुस्तक' स्त्रीलिंग के अनुसार ही क्रियाएँ भी स्त्रीलिंग हैं। *पाँचवें* वाक्य में 'ड्राइवर' पुल्लिंग के अनुसार क्रिया पुल्लिंग है। अत: स्पष्ट है कि जब क्रिया कर्म के अनुसार होती है, तो कर्मवाच्य होता है।

(ii) **भाववाच्य**

क्रिया के जिस रूपांतर से वाक्य में कर्ता या कर्म के बदले 'क्रिया' या 'भाव' की प्रधानता होती है, उसे भाववाच्य कहते हैं। ऐसे वाक्यों में क्रिया के लिंग, वचन तथा पुरुष 'भाव' के अनुसार होते हैं। ऐसे वाक्यों में पुल्लिंग, एकवचन तथा अन्य पुरुष का रूप सामने आता है। क्रिया की निर्भरता भाव पर रहती है; जैसे—

- उससे पढ़ा नहीं जाता।
- अब मुझसे सहा नहीं जाता।
- सोहन से चला नहीं जाता।
- बच्चों से लिखा नहीं जाता है।

उपरोक्त वाक्यों में कर्ता है, परंतु वाक्यों में क्रिया स्वयं प्रधान है। क्रिया निश्चित भाव पर निर्भर है। ऐसे वाक्य 'भाववाच्य' होते हैं।

वाच्य परिवर्तन

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में परिवर्तन

कर्मवाच्य सकर्मक क्रियाओं वाले वाक्यों में होता है। किसी कर्तृवाच्य वाले वाक्य से कर्मवाच्य वाले वाक्य में परिवर्तन के लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना आवश्यक है

- कर्ता के साथ 'से', 'के द्वारा' अथवा 'द्वारा' विभक्ति लगाकर कर्मवाच्य वाक्य बनाया जा सकता है।
- परिवर्तन करते समय क्रिया के केवल रूप में परिवर्तन आता है। क्रिया के काल में परिवर्तन नहीं होता।
- कर्तृवाच्य की प्रधान क्रिया को सामान्य भूतकाल की क्रिया के रूप में परिवर्तित किया जाता है।
- कर्तृवाच्य की प्रधान क्रिया में 'जाना' क्रिया के उचित रूप को स्थान दिया जाता है।

कर्तृवाच्य से भाववाच्य में परिवर्तन

'भाववाच्य' में अकर्मक क्रियाएँ होती हैं अर्थात् ऐसे वाक्यों में कर्म नहीं होता। कर्तृवाच्य वाक्यों से 'भाववाच्य' वाक्यों के निर्माण में निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना आवश्यक है

- कर्तृवाच्य वाक्यों में आए कर्ता के साथ 'से' अथवा 'द्वारा' विभक्ति जोड़कर 'भाववाच्य' वाक्य बनाए जाते हैं।
- कर्तृवाच्य में वाक्य की क्रिया को ही वाक्य का कर्ता बना दिया जाता है।
- 'जाना' क्रिया के रूप कर्तृवाच्य के काल भेद के अनुसार जुड़कर 'भाववाच्य' वाक्य का निर्माण करते हैं।
- 'भाववाच्य' वाक्यों में क्रिया सदा अन्य पुरुष, पुल्लिंग तथा एकवचन में रहती है।

वाच्य संबंधी स्मरणीय तथ्य

- कर्तृवाच्य में क्रिया का संबंध कर्ता से होता है।
- कर्मवाच्य में क्रिया का संबंध कर्म से होता है।
- भाववाच्य में क्रिया स्वयं प्रधान होती है।
- भाववाच्य में एक से अधिक क्रिया पद होते हैं।
- सहायक क्रिया के रूप में 'जाना' क्रिया के रूपों का प्रयोग होता है तथा मुख्य क्रिया अकर्मक होती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. इस वाक्य का वाच्य लिखिए–'राजीव ने मुझे एक कहानी सुनाई'
(क) कर्मवाच्य (ख) कर्तृवाच्य
(ग) भाववाच्य (घ) करणवाच्य

2. इस वाक्य का वाच्य लिखिए–'राधा को पत्र लिखा गया है'
(क) भाववाच्य (ख) कर्तृवाच्य
(ग) कर्मवाच्य (घ) करणवाच्य

3. इस वाक्य का वाच्य लिखिए–'पुस्तक अभी पढ़ी जा रही है'
(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य (घ) संबंधवाच्य

4. इस वाक्य का वाच्य लिखिए–'यह कहानी मैंने लिखी'
(क) कर्तृवाच्य (ख) भाववाच्य
(ग) कर्मवाच्य (घ) संबंधवाच्य

5. इस वाक्य का वाच्य लिखिए–'अशोक ने विश्व को शांति का संदेश दिया' *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*
(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य
(ग) कर्तृवाच्य (घ) करणवाच्य

6. 'हम इस खुले मैदान में दौड़ सकते हैं।' (प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में परिवर्तित कीजिए।)
(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)
(क) हम दौड़ सकते हैं, इस खुले मैदान में।
(ख) हम इस खुले मैदान में दौड़ सकेंगे।
(ग) हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जाएगा।
(घ) हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जा सकता है।

7. 'रवि नहीं लिखता' प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए
(क) रवि लिख नहीं सकता।
(ख) रवि द्वारा लिखा नहीं गया।
(ग) रवि से लिखा नहीं जाता।
(घ) रवि नहीं लिख पाएगा।

8. 'पक्षी उड़ते हैं' प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए
(क) पक्षियों से उड़ा जाता है। (ख) पक्षियों द्वारा उड़ा गया।
(ग) पक्षियों ने उड़ान भरी। (घ) पक्षी उड़ गए।

9. 'लड़की सो नहीं रही है' प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए
(क) लड़की सो नहीं सकी।
(ख) लड़की द्वारा सोया नहीं जा रहा है।
(ग) लड़की सो नहीं पा रही।
(घ) लड़की द्वारा सोया नहीं गया।

10. 'प्रेम चलता नहीं है' प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए
(क) प्रेम चल नहीं पाया।
(ख) प्रेम चल नहीं सकता।
(ग) प्रेम द्वारा चला नहीं जा रहा है।
(घ) प्रेम से चला नहीं जाता।

11. 'रानी दौड़ती है' प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए
(क) रानी से दौड़ा जाता है।
(ख) रानी द्वारा दौड़ा गया।
(ग) रानी तेज दौड़ी।
(घ) रानी से दौड़ा नहीं जाता।

12. 'वह खा नहीं पाएगा' प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए
(क) उसके द्वारा खाया नहीं गया।
(ख) वह खा नहीं सकता।
(ग) वह खाने में असमर्थ है।
(घ) उससे खाया नहीं जाएगा।

13. 'कैप्टन चश्मा बदल देता था' प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए *(CBSE 2020, Modified)*
(क) कैप्टन से चश्मा बदला जाता था।
(ख) कैप्टन द्वारा चश्मा बदल दिया जाता था।
(ग) कैप्टन ने चश्मा बदल दिया।
(घ) कैप्टन द्वारा चश्मा बदल दिया जाता है।

14. 'सुमन जल्दी नहीं उठती।' (प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में परिवर्तित कीजिए।)
(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)
(क) सुमन जल्दी नहीं उठ पाती।
(ख) सुमन जल्दी से नहीं उठ सकेगी।
(ग) सुमन जल्दी नहीं उठ पाएगी।
(घ) सुमन से जल्दी नहीं उठा जाता।

15. 'मुनेश पत्र लिखती है' प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए
(क) मुनेश से पत्र लिखा गया।
(ख) मुनेश से पत्र लिखा जाता है।
(ग) मुनेश द्वारा पत्र लिखा जाता है।
(घ) मुनेश ने पत्र लिखा।

16. 'शोभा ने फूल तोड़े' प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए
(क) शोभा द्वारा फूल तोड़े गए।
(ख) शोभा से फूल तोड़े जाते हैं।
(ग) शोभा द्वारा फूल तोड़े जाते हैं।
(घ) शोभा फूल तोड़ती है।

17. 'रामदयाल ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया' प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए
(क) रामदयाल द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया जाता है।
(ख) रामदयाल से संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया जाता।
(ग) रामदयाल से संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।
(घ) रामदयाल के द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।

18. 'पतोहू ने आग दी', प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए *(CBSE 2020, Modified)*
(क) पतोहू से आग दी जाती थी।
(ख) पतोहू आग देती है।
(ग) पतोहू द्वारा आग दी जाती है।
(घ) पतोहू द्वारा आग दी गई।

19. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए
(क) राहुल से अब सहा नहीं जाता।
(ख) मीना के द्वारा पत्र लिखा गया।
(ग) रीना रसोई में खाना बनाती है।
(घ) मनु द्वारा पतंग उड़ाई गई।

20. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए
(क) उसने राम की वर्षों तक प्रतीक्षा की।
(ख) मुझसे गिटार नहीं बजाया जाता।
(ग) राधा द्वारा स्नान किया गया।
(घ) रानी से पत्र लिखा नहीं जाता।

21. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए। *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*
(क) अरविंद द्वारा कल पत्र लिखा जाएगा।
(ख) बच्चों द्वारा नमस्कार किया गया।
(ग) सरकार द्वारा लोक कलाकारों का सम्मान किया गया।
(घ) नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा भाववाच्य का सही विकल्प नहीं है? *(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)*
(क) मुझसे अब देखा नहीं जाता।
(ख) आइए चला जाए।
(ग) हमें धोखा दिया जा रहा है।
(घ) राधा से बोला नहीं जाता।

23. 'नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया', प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए *(CBSE 2020, Modified)*
(क) नेताजी द्वारा देश के लिए सब कुछ त्याग दिया गया।
(ख) नेताजी ने देश के लिए सब कुछ त्याग दिया।
(ग) नेताजी से देश के लिए सब कुछ त्यागा नहीं गया।
(घ) नेताजी द्वारा देश के लिए सब कुछ त्यागा जाता है।

24. 'माँ द्वारा भिखारी को भोजन दिया गया', प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए *(CBSE 2020, Modified)*
(क) माँ द्वारा भिखारी को भोजन नहीं दिया जाता।
(ख) माँ ने भिखारी को भोजन दिया।
(ग) माँ से भिखारी को भोजन मिला।
(घ) माँ द्वारा भिखारी को भोजन दिया जाता है।

25. 'आओ अब चलते हैं', वाक्य को भाववाच्य में बदलिए *(CBSE 2020, Modified)*
(क) आइए, अब चला जाए।
(ख) अब चला नहीं जाता।
(ग) चलो चला जाए।
(घ) क्या अब हम चल सकते हैं।

26. 'दर्द के कारण वह खड़ा ही नहीं हुआ', वाक्य को भाववाच्य में बदलिए *(CBSE 2020, Modified)*
(क) दर्द से वह खड़ा हुआ।
(ख) दर्द के कारण उससे खड़ा नहीं हुआ जाता।
(ग) दर्द के कारण वह खड़ा नहीं हुआ।
(घ) दर्द होने पर वह खड़ा नहीं हुआ।

27. 'उद्धव ने ज्ञान का उपदेश दिया', प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए *(CBSE 2020, Modified)*
(क) उद्धव से ज्ञान का उपदेश दिलाया गया।
(ख) उद्धव द्वारा ज्ञान का उपदेश दिया गया।
(ग) उद्धव से ज्ञान का उपदेश नहीं दिया जाता।
(घ) उद्धव ज्ञान का उपदेश देते हैं।

28. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए
(क) वैभव आँगन में सो रहा है।
(ख) मीना द्वारा प्रतिदिन रामायण का पाठ किया जाता है।
(ग) अमिता से दौड़ा नहीं जाता।
(घ) राजू पतंग उड़ाता है।

29. निम्न वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए
(क) रमीज ने एक किताब लिखी।
(ख) माली द्वारा पौधों को पानी दिया गया।
(ग) राहुल बाग में ही सोता है।
(घ) अब आराम किया जाए।

30. निम्न वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँटिए
(क) नैना द्वारा चारपाई बुनी गई।
(ख) मोहन दुकान पर जाता है।
(ग) अब दर्द सहा नहीं जाता।
(घ) रवि द्वारा चाय पी गई।

31. निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँटिए
(क) रविना से लिखा नहीं जाता।
(ख) बुलबुल द्वारा गीत गाया गया।
(ग) बच्चे पार्क में खेल रहे हैं।
(घ) वह लड़का देख नहीं सकता।

32. निम्नलिखित में से कौन-सा भाववाच्य का सही विकल्प नहीं है?
(क) राहुल से पत्र लिखा जाता है।
(ख) उससे अब रहा नहीं गया।
(ग) पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।
(घ) मीना से भागा नहीं जाता।

33. निम्नलिखित में से कौन-सा भाववाच्य का सही विकल्प नहीं है?
(क) राहुल द्वारा सिनेमा देखा गया।
(ख) मुझसे दु:ख देखा नहीं जाता।
(ग) उससे चोट के कारण बैठा नहीं जाता।
(घ) साहिल से लिखा नहीं जाता।

34. निम्नलिखित में से कौन-सा कर्मवाच्य का सही विकल्प नहीं है?
(क) पतंग उड़ाई गई।
(ख) तुम शायद लिख नहीं सकते।
(ग) पंडित जी द्वारा विवाह संपन्न कराया गया।
(घ) तोते द्वारा अमरूद खाया गया।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा कर्मवाच्य का सही विकल्प नहीं है?
(क) यह दृश्य अब देखा नहीं जाता।
(ख) विपिन द्वारा साइकिल चलाई गई।
(ग) नीरा द्वारा लेखन कार्य किया गया।
(घ) वैभव द्वारा सीटी बजाई जाती है।

36. निम्नलिखित में से कौन-सा कर्तृवाच्य का सही विकल्प नहीं है?
(क) उसके द्वारा एक गीत गाया गया।
(ख) वह बहुत देर तक भागता है।
(ग) शतुरमुर्ग का अंडा सबसे बड़ा होता है।
(घ) पेंगुइन अंटार्कटिक पक्षी है।

37. निम्नलिखित में से कौन-सा कर्तृवाच्य का सही विकल्प नहीं है?
(क) दानवीर कर्ण की महानता अद्‌भुत है।
(ख) मोरध्वज वस्तुतः कृष्ण भक्त था।
(ग) मीराबाई ने संतों के संग भजन गाए।
(घ) राजा से गाया जाता है।

उत्तरमाला

1. (ख)	2. (ग)	3. (ख)	4. (क)	5. (ग)	6. (घ)	7. (ग)	8. (क)	9. (ख)	10. (घ)
11. (क)	12. (घ)	13. (ख)	14. (घ)	15. (ग)	16. (क)	17. (घ)	18. (घ)	19. (ग)	20. (क)
21. (घ)	22. (ग)	23. (क)	24. (ख)	25. (क)	26. (ख)	27. (ख)	28. (ख)	29. (ख)	30. (ग)
31. (क)	32. (ग)	33. (क)	34. (ख)	35. (क)	36. (क)	37. (घ)			